भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
उच्चतर शिक्षा विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-419
उत्तर देने की तारीख-05/02/2024

भारतीय भाषा उत्सव-2023

†419. श्री लल्लू सिंहः
डॉ. भारतीबेन डी. श्यालः
श्री विनोद लखमशी चावड़ा:
डॉ. अरविंद कुमार शर्माः
श्री शंकर लालवानीः
श्री रतनसिंह मगनसिंह राठौड़ः
श्री प्रदीप कुमार सिंहः
श्री दिनेश लाल यादव 'निरहुआ' :
श्री संजय भाटियाः

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) भारतीय भाषा उत्सव-2023 के लक्ष्य और उद्देश्य क्या हैं और उक्त शिखर वार्ता का ब्यौरा क्या है;
(ख) देश की समृद्ध भाषाई विरासत को बढ़ावा देने और संरक्षित करने के लिए नई शिक्षा प्रणाली में प्रौद्योगिकी को एकीकृत करने के लिए नई शिक्षा नीति का उद्देश्य किस प्रकार प्राप्त किया जाएगा; और
(ग) सरकार द्वारा भारतीय भाषाओं के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने और सर्च इंजन लोकलाइजेशन को बढ़ावा देने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(डॉ. सुभाष सरकार)

(क): राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी), 2020 में बहुभाषावाद को बढ़ावा देने और भारतीय भाषाओं को जीवंत बनाए रखने के प्रयासों पर अत्यधिक बल दिया गया है। एनईपी में, यथासंभव, कम से कम कक्षा 5 तक और अधिमानतः कक्षा 8 तक शिक्षा का माध्यम गृह भाषा/मातृ भाषा/स्थानीय भाषा/क्षेत्रीय भाषा में होने का प्रावधान किया गया है। इस नीति में गृह

भाषा/मातृभाषा में उच्च गुणवत्तायुक्त पाठ्य पुस्तकें उपलब्ध कराने और शिक्षकों को शिक्षण के दौरान द्विभाषी दृष्टिकोण का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करने के बारे में कहा गया है। इस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए सरकार, भारतीय भाषाओं में पठन सामग्री प्रदान करके स्कूल और उच्च शिक्षा स्तर पर बहुभाषावाद को शामिल कर रही है ताकि छात्रों के पास अपनी मातृभाषा/स्थानीय भाषा में अध्ययन करने का विकल्प हो। इसके अतिरिक्त, शैक्षणिक संस्थानों को समय-समय पर देश की भाषाई और सांस्कृतिक विविधता का जश्न मनाने के लिए गतिविधियाँ आयोजित करने हेतु प्रोत्साहित किया जा रहा है। भारतीय भाषा उत्सव भारत सरकार द्वारा आयोजित की जाने वाली ऐसी ही एक गतिविधि है। यह कार्यक्रम भारतीय भाषाओं के माध्यम से विविधता का जश्न मनाने और सद्भाव तथा राष्ट्रीय अखंडता विकसित करने पर केंद्रित है। इस उत्सव के भाग के रूप में देश भर के विभिन्न स्कूलों, कॉलेजों और अन्य संस्थानों में छात्रों, शिक्षकों और अन्य कर्मचारियों को शामिल करते हुए प्रदर्शनियां, भाषा प्रश्नोत्तरी, विभिन्न भाषाओं में भाषण, वाद-विवाद, आशुभाषण, विभिन्न भाषाओं में कविता पाठ और निबंध लेखन प्रतियोगिता, लोक परंपरा और लोक कला रूपों, नुक्कड़ नाटकों और ड्रामा आदि को दर्शाने वाले रचनात्मक प्रदर्शन जैसी गतिविधियां आयोजित करके 75 दिवसीय समारोह आयोजित किए जा रहे हैं।

(ख) और (ग): राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में देश की विविध भाषाई विरासत/विविधता को संरक्षित करने और बढ़ावा देने सहित शिक्षा के विभिन्न पहलुओं को सुदृढ़ करने के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने पर बल दिया गया है। भारतीय भाषाओं के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने हेतु, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) एक भाषा संगम कार्यक्रम के साथ-साथ एक मशीन अनुवाद प्रकोष्ठ भी चला रही है। भाषा संगम कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षार्थियों को 22 भाषाओं की बुनियादी बातें सीखकर उनके भाषायी ज्ञान को बढ़ावा देना है। इस प्रयास को भाषा की समझ को प्रोत्साहित करने और शैक्षिक प्रणाली के माध्यम से विविध संस्कृति की गहन समझ को बढ़ावा देने में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप
में देखा जाता है। बच्चे की मूल भाषा में शिक्षा के प्रसार को सुविधाजनक बनाने के लिए, एनसीईआरटी ने एक अनुवाद प्रकोष्ठ की स्थापना की है, जो अनुसूचित भाषाओं में विभिन्न पुस्तकों का अनुवाद कर रहा है। पाठ्य पुस्तकों और शिक्षण संसाधनों सहित पाठ्यक्रम सामग्री 33 भारतीय भाषाओं में डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर फॉर नॉलेज शेयरिंग (दीक्षा) पोर्टल पर उपलब्ध है। भारतीय भाषाओं के माध्यम से शिक्षा को और अधिक सुविधाजनक बनाने के लिए, केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने भी अपने संबद्ध स्कूलों से कहा है कि वे भारतीय संविधान की अनुसूची 8 में यथा उल्लिखित भारतीय भाषाओं का उपयोग मूलभूत स्तर से माध्यमिक चरण तक अर्थात पूर्व-प्राथमिक कक्षा से बारहवीं कक्षा तक अन्य मौजूदा विकल्पों के अतिरिक्त

एक वैकल्पिक माध्यम के रूप में शिक्षा प्रदान करने पर विचार करें। अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने कई भारतीय भाषाओं में अवर स्नातक और स्नातकोत्तर तकनीकी पुस्तकों जैसे इंजीनियरिंग और विधि की पुस्तकों का अनुवाद करने के लिए अनुवादिनी ऐप का लाभ उठाया है। अनूदित पुस्तकें ई-कुम्भ पोर्टल पर उपलब्ध हैं। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (एनईईटी) 13 भाषाओं में आयोजित की गई है। संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई) अब 13 भाषाओं में आयोजित की जाती है। कुछेक (एआईसीटीई) अनुमोदित संस्थानों में 8 क्षेत्रीय भाषाओं में तकनीकी शिक्षा प्रदान की जा रही है।

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) ने ओपन सोर्स में 22 अनुसूचित भारतीय भाषाओं के लिए मौखिक और पाठ अनुवाद के लिए मुख्य भाषा प्रौद्योगिकियों को विकसित करने के लिए वर्ष 2022 में मिशन डिजिटल इंडिया भाषिणी का शुभारंभ किया है। वर्तमान में, भाषिणी मंच में टेक्स्ट-टू-टेक्स्ट अनुवाद करने और 10 भारतीय अनुसूचित भाषाओं और अंग्रेजी में वॉइस-टू-वॉइस अनुवाद, अनुलेखन और श्रुतलेखन के लिए 22 अनुसूचित भाषाओं में 290 पूर्व प्रशिक्षित एआई संचालित भाषा मॉडल उपलब्ध कराए गए हैं। पाठ (टेक्स्ट) और वॉइस में भाषा अनुवाद के लिए भाषिणी ओपन एप्लिकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफ़ेस (एपीआई) को एपीआई सेतु (http://apisetu.gov.in) में सूचीबद्ध किया गया है। भाषिणी एपीआई किसी भी एप्लिकेशन के साथ एकीकृत करने के लिए सभी के लिए उपलब्ध है। एएसआर (ऑटोमैटिक स्पीच रिकग्निशन) के कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) मॉडल का उपयोग भारतीय भाषाओं में ध्वनि खोज के लिए किया जा सकता है। सर्च इंजन में यूनिकोड समर्थन भारतीय भाषाओं में खोज (सर्च) करने में मदद करता है। सभी 22 अनुसूचित भाषाएँ यूनिकोड मानक में दर्शाई गई हैं, और भारतीय भाषाओं में खोज (सर्च) को सुविधाजनक बनाती हैं।

******